*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

तापसी

हिंदी उत्तर पुस्तिका

5

YBPL

तापसी-5

अध्याय-1: सैनिक की डायरी से

1. मौखिक: स्वयं करें। **लिखित:** 1. जो सीमा पर चौबीस घंटे निगरानी करता है, जो कभी भूखा, प्यास सो जाता है। अपना शीश कटा कर भी जो न शीश झुकाता है, उसके आगे हम सबका शीश झुकाता है, उसके आगे हम सबका शीश नतमस्तक हो जाता है। 2. अंतिम समय में सैनिक यही गुनगुनाता है- ''मेरा देश ही मेरी आन-बान शान है।'' 3. अंतिम क्षण में सैनिक अपनी माँ से बड़े गर्व से कहता जाता है- रणभूमि में गर मैं शहीद हो जाऊँ तो मेरी वर्दी, मेरे मैडल, मेरी छाती पर सजा देना माँ। 4. अपनी बहन के लिए सैनिक कहता है। ''मेरी प्यारी बहना अपनी शादी पर वही लाल जोड़ा पहनना जो तेरा वीर तुझे तोहफे में दिए जाता है।'' 5. पापा! अपने बेटे की इस छोटी सी कुरबानी पर फ़क्र करना और दुनिया को बताना कि तुम्हारा बेटा अपना फ़र्ज पूरा किए जाता है। **बहुविकल्पीय प्रश्न : 1.** (ब), 2. (स), 3.(अ) **भाषा की बात (क)** 1. गाथा-कहानी, 2. शीश-मस्तक, 3.क्षण-पलभर, 4. गर्व-अभिमान। (ख) 1. विदेश 2. कायर 3. मृत्यु **3.** 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. नपुंसकलिंग 4. पुल्लिंग5. स्त्रीलिंग 6. नपुंसकलिंग 7. नपुंसकलिंग 8. नंपुसकलिंग 9. नपुंसकलिंग 10. नपुंसकलिंग। 1. दयालु माँ 2. वीर सैनिक 3. लाल खून 4. प्यारा देश 5. रंगीली दुनिया **सोचने-समझने की बात** 1. स्वयं करें। **कुछ करने की बात**-स्वयं करें।

अध्याय-2: काकी

1. मौखिक-स्वयं करें। 2. **लिखित:1.** श्यामू की माँ एक कपड़ा ओढे हुए जमीन पर लिटा रखी थी। 2. लोग जब श्यामू की माँ को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे इसलिए उपद्रव मचाया। 3. गुरूजनों ने श्यामू की माँ को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे इसलिए उपद्रव मचाया। 3. गुरूजनों ने श्यामू से कहा कि तुम्हारी काकी मामा के घर गयी है। 4. श्यामू पंतग उड़ाकर अपनी काकी के पास भेजना चाहता था। 5. क्योंकि उसने विश्वेश्वर के कोट में से पैसे निकाले थे। 6. विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर ,खड़े रह गए क्योंकि भोला ने कहा पतंग को तानकर श्यामू काकी को राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे। **बहुविकल्पीय प्रश्न: (3)** 1.(ब), 2.(ब), 3.(स), **(4)** 1. अंतिम संस्कार, 2. पंतग, 3. भोला, 4. श्यामू, 5. कोट। **(5)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗। **भाषा की बात:** (1) लाल बत्ती-लाल, हजारी आदमी-हजारों, पापी आत्मा-पापी, बड़ी रस्सी-बड़ी, कीमती वस्तु-कीमती, अँधेरी कोठरी-अँधेरी। (2) उपयोगी-अनुपयोगी, पूर्ण-अपूर्ण, ईमानदार-बेईमान, पराधीन-स्वाधीन, सुपुत्र-कुपुत्र। (3)रहस्य-श्यामू ने भोला के सामने रहस्य खोला कि मै यह पतंग राम को दूँगा। करूण-मयूर करूण स्वभाव का बालक हैं। उपद्रव-लोग जब श्यामू की माँ को

श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे इसलिए उपद्रव मचाया। (4) 1. भूतकाल, 2. भूतकाल, 3. वर्तमान काल, 4. भविष्यकाल, 5.वर्तमान काल (5) सुपुत्र-पुल्लिंग, पतंग-नपुसंकलिंग, दासी-स्त्रीलिंग, डोर-नपुसंकलिग, (6) 1. अधिक, 2. बहुत, 3. बुद्धिमान । **सोचने समझने की बातः** स्वयं करें। **कुछ करने की बातः** स्वयं करें।

अध्याय-3: राजा का न्याय

1. मौखिक-स्वयं करें। 2. **लिखितः1.** निहालचंद और गंगाधर दोनों ने योजना बनाई की शहर जाकर धन कमाए। 2. अब हमारे लिए धन पर्याप्त हो गया है इसलिए हम शहर जाकर क्या करेगें। 3. उसने सोने की मोहरे अपने पास रख ली और चाँदी की मोहरे निहालचंद की पत्नी को दे दी। 4. राजा ने सत्य का पता लगाने के लिए सबको अलग-अलग कमरे में बन्द करने का आदेश दिया। 5. राजा ने चारों स्त्रियों से चित्र बनाने को कहा और न बनने के कारण अपराधी पकड़ा गया। 6. राजा ने निष्पक्ष राय दी कि निहालचंद की पत्नी सच्ची है और वे चारों स्त्रियाँ झूठी हैं। **बहुविकल्पीय प्रश्नः (3)** 1.(ब), 2.(ब), 3.(स), 4.(ब), 5.(स) **(4)** 1. सुनसान स्थान पर 2. निहालचंद, 3. गिन्नियाँ, 4. निहालचंद। **(5)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ । **भाषा की बातः (क)** प्रबल, अपमान, प्रदर्शन, अधर्म, असत्य, **(ख)** 1. गाँव लौटा, 2. गिन्नयाँ दी, 3. दरबार बुलाया, 4. झूठ बोला, 5. शहर रवाना हो गए। **(ग)** स्त्रीलिंग, स्त्रीलिंग, नपुसंकलिंग, नपुसकलिंग, **(घ) विशेष्य**-सुनहरा, **विशेषण**-संसार, **विशेष्य**-सुनसान, **विशेषण**-रास्ता, **विशेष्य**-दो, **विशेषण**-आदमी, **विशेष्य**-चार, **विशेषण**-स्त्रियाँ, **विशेष्य**-सच्चा, **विशेषण**-मित्र **(ङ)** असहमति, अस्वीकार, दुःख, भीड़-भाड़, अन्याय। **सोचने समझने की बातः** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करे।

अध्याय-4: रामकृष्ण परमहंस

1 मौखिक-स्वयं करें। **2. लिखितः1.** रामकृष्ण परमहंस का जन्म 14 फरवरी 1836 ई0 और कामारपुर (हुगली) में हुआ था। 2. हुगली जिले के कारपुकुर नाम छोटे से गाँव में खुदीराम चट्टोपाध्याय नाम के एक गरीब ब्राह्मण रहते थे उनकी पत्नी चंद्रमणि भी पति के ही समान स्वभाव वाली थीं और भगवान की पूजा किया करती थीं। 3. गदाधर कुशाग्र बुद्धि का बालक भावना भी धीरे-धीरे बढ़ती जा रही थी। जब वह रामलीला और कृष्णलीला से अभिनय करता तो भक्ति-भाव में इतना लीन हो जाता कि अपने तन-बदन की सुध भूल जाता। 6. एक दिन उन्होनें अपने शिष्य से पूछा कि आज कौन सी तिथि है शिष्य ने बताया-सावन की पूर्णिमा। बस उन्होनें तुरंत समाधि लगा ली। लोगों ने समझा कि वह वैसी ही समाधि है जैसी वह पहले लगाया करते थे। परंतु यह समाधि एक बार लगी तो फिर नहीं टूटी। 16 अगस्त 1886 को सवेरे के समय उन्होने चोला छोड़ दिया। 7. इनके अनुयायियों ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।

बहुविकल्पीय प्रश्नः (3) 1.(ब), 2.(अ), 3.(ब), 4.(अ), 5.(ब) **(4)** 1. सरलता 2. चारों ओर, 3. कोमल, 4. जमींदारी, 4. भक्ति-भावना **(5)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ । **भाषा की बातः (क)** 1. श्रीराम, रामचन्द्र, 2. केशव, कान्हा 3. काली चण्डी। (ख) 1. असत्य, 2. अवगुण 3. अस्त, 4. धनी, 5. उत्तर। **(ग)** नपुसंकलिग, नपुसंकलिंग, नपुसंकलिंग, नपुसंकलिंग, नपुसंकलिंग। **(घ)** 1. नाम चारों ओर फैल गया। 2. पौराणिक सुनाया करते थे। 3. सुरीले स्वर में गीत गाया करती थी। **सोचने समझने की बातः** स्वयं करें। **कुछ करने की बातः** स्वयं करें।

अध्याय-6: सोच समझकर काम करो

1 मौखिक-स्वयं करें। **2. लिखितः1.** क्योंकि यात्रियों को हानि होती है। 2. धक्का मुक्की ना हो और कतार में खड़ा होना चाहिए। 3. स्वयं करें। 4. स्वयं करें, 5. स्वयं करें। **बहुविकल्पीय प्रश्नः (3)** 1.(स), 2.(अ), 3.(अ), 4.(अ), 5.(ब) **(4)** 1. चिकनी 2. टिकट 3. कतार, 4. स्थिति, 5. राष्ट्रीय **(5)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ । **भाषा की बातः1.** हानियाँ, परेशानियाँ, गाडियाँ, थैले, केले, छिलके। (2) पराया, अक्रम, मित्र, दूर, दुर्जन। (3) स्त्रीलिंग, स्त्रीलिंग, स्त्रीलिंग, पुल्लिंग, नपुसकलिंग, नपुसकलिंग, (4) आकृष्ट करना-मयूर सभी लोगों को अपनी ओर आकृष्ट कर लेता है। लाख समझना-मेरे लाख समझाने पर भी वह नहीं माना, तब मैने उसे पीटा। बाज न आना-संजय अपनी गंदगी हरकतों से बाज नही आया। (5) 1. यहाँ कोई कैसे रह सकता था। 2. वह सदा दूसरों की भलाई के लिए काम करता रहेगा। 3. वह सबके लिए कार्य करता है। **सोचने-समझने की बात :** 1. 'अ' सदाचारी है 2. 'ब' की रीति सही हैं क्योकि यही उचित सिद्धि हैं। 3. 'अ' सही है। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय--7: परीक्षा

1.मौखिक उत्तर : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. यह जरूरी नहीं कि वे ग्रेजुएट हों, मगर हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है। एक महीने तक उम्मीदवारों के रहन-सहन, आचार-विचार की देखभाल की जाएगी। विद्या का कम परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जाएगा। जो महाशय इस परीक्षा में पूरे उतरेंगे, वे ही इस उच्च पद पर सुशोभित होंगे। 2. हर एक मनुष्य अपने जीवन अपनी बुद्धि के अनुसार अच्छे रूप में दिखाने की कोशिश करता था। मिस्टर 'अ' नौ बजे तक दिन में सोया करते थे। परंतु आजकल बगीचे में टहलते हुए वे ऊषा का दर्शन करते हैं। मिस्टर 'ब' को हुक्का पीने की लत थी, परंतु आजकल बहुत रात गए किवाड़ बंद करके अँधेरे में सिगार पीते हैं। मिस्टर 'द', 'स' और 'ज' से उनके घरों पर नौकरों की नाक में दम रहता था, लेकिन वे सज्जन आजकल 'आप' और 'जनाब' के बगैर नौकरों से बातचीत नहीं करते हैं। महाशय 'क' नास्तिक थे, मगर आजकल उनकी धार्मनिष्ठ देखकर मंदिर के पुजारी

को पदच्युत हो जाने की शंका लगी रहती थी। मिस्टर 'ख' को किताब से घृणा थी, परंतु आजकल वे बड़े-बड़े ग्रंथ देखने-पढ़ने में डूबे रहते थे। जिससे भी बात कीजिए, नम्रता और सदाचार का देवता बना मालूम होता था। 3. एक किसान अनाज से भरी गाड़ी लिए हुए उस नाले में आया। लेकिन कुछ उसकी चढ़ाई इतनी ऊँची थी, कि गाडी ऊपर न चढ़ सकती थी। वह कभी बैलों को ललकारता, कभी पहियों को हाथ से ढकेलता, लेकिन बोझ अधिाक था और बैल कमजोर। गाड़ी ऊपर को न चढती और चढती भी, तो कुछ दूर चढ़कर फिर खिसककर नीचे पहुँच जाती। किसान बार-बार जोर लगाता और बार-बार झुँझलाकर बैलों को मारता, लेकिन गाड़ी उबरने का नाम न लेती थी। बंचारी इधार-उधार निराश होकर ताकता, मगर वहाँ कोई नजर न आता। गाड़ी को अकेले छोड़कर कहीं जा भी नहीं सकता था। बड़ी आपत्ति में फँसा हुआ था। इसी बीच खिलाडी हाथों में डंडे लिए घूमते-घामते उधार से निकतले जा रहे थे। किसान ने उनकी तरु सहमी हुई आँखों से देखा, परंतु किसी से मदद माँगने का साहस न हुआ। खिलाड़ियों ने भी उसे देखा मगर बंद आँखों से, जिनमें सहानुभूति न थी। उनमें स्वार्थ था। मगर उदारता और वात्सल्य का नाम भी न था। लेकिन उसी समूह में एक ऐसा मनुष्य था, जिसके हृदय में दया थी और साहस था। अकस्मात उसकी दृष्टि गाड़ी पर पडी, तो ठिठक गया। डंडा एक किनारे रख दिया। कोट उतार डाला और किसान के पास आकर बोला, 'तुम्हारी गाड़ी निकाल दूँ?' 4. दीवान सुजानसिंह ने गाड़ी नाले में फंसाकर रियासत के लिए. योग्य दीवान चुना। 5. प्रस्तुत कहानी से हमें यह प्रेरणा मिलती हैं कि हमें सदैव सभी की सहायता करनी चाहिए। **बहुविकल्पीय प्रश्न :** **(3)**. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ) 5. (स)।

(4). सादगी, 2. विद्या, 3. ग्रेजुएटों, 4. मनुष्य, 5. जौहरी। **(5)** 1. ✗, 2. ✓, 3. ✓, 4. ✓, 5. ✓। **भाषा की बात** – (क) असभ्य, दुर्गम, निच्च, असंयोग, कठिन, अस्थिर। **(ख)** 1. से 2. के लिए 3. से अधिक 4. के लिए (ग)1. बाला ने गली वालों की नाक में दम कर रखा है। 2. मयूर एवं प्रतीक क्रिकेट के मँजे हुए खिलाड़ी हैं। 3. भारतीय सैनिक दुश्मनों के सामने लोहे की दीवार बनकर खड़े हो जाते हैं। 4. मेरी शर्ट पर कल स्याही का दाग लग गया था। (घ) 1. वर्तमान काल, 2. भविष्यकाल, 3. भूतकाल,, 4. वर्तमान काल।

सोचने समझने की बातः 1. परीक्षाएँ इसलिए आवश्यक होती है जिससे सही एवं योग्य व्यक्ति का चुनाव हो सके। 2. किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए उसमें दी गई सभी शर्तें पूरी कर दी । 3. वास्तव में हम सभी की परीक्षाएँ प्रतिदिन होती हैं। बताइए, वे घरेलु एवं सामाजिक होती है 4. जो मेहनती, ईमानदार, कर्मशील एवं दयावान आदि हैं वे सभी सफल और जिनमें ये गुण नही हैं वे असफल होते हैं।

कुछ करने की बातः स्वयं करें।

अध्याय-8: काँटों में राह बनाते है।

1 मौखिक-स्वयं करें। **2. लिखित:1.** जीवन में विपत्ति को पाकर कायर घबराते हैं। जीवन में विपत्ति आने पर सूरमा धीरज नहीं खोता और विपत्ति का मुकाबला करता हैं। 2. विघ्नों को वीर गले लगाते है। 3. आदमी की शक्ति के सामने पत्थर भी पानी बन जाता है इस प्रकार असंभव को संभव होना बताया गया है। 4. संसार में सभी कुछ हिम्मत एवं धैर्य से प्राप्त किया जा सकता है। भाषा की बात: (क) 1. भूतकाल, 2. भूतकाल, 3. भविष्यकाल, 4. वर्तमान काल, 5. वर्तमानकाल, 6. भूतकाल। (ख) 1. आएगा, 2. पकाएगा, 3. खाओ, 4. पिओ, 5. पहनों, 6. छू लो। (ग) 1. कहाँ से आए हो? 2. अरे। तुम तो बड़े डरपोक हो। 3. राजू, अमित, सुनिल और विजय भाई हैं। 4. बैठे-बैठे राम का नाम ही लेते रहा करो। 5. प्यास के मारे कंठ सूख रहा है। (घ) ऊँचा, मेधावी, सुंदर। सद, तुच्छ, निर्मल। **बहुविकल्पीय प्रश्न: (3)** 1.(स), 2. (स), 3.(अ)। **(4)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ । **सोचने समझने की बात:** स्वयं करें **कुछ करने की बात:** स्वयं करें

अध्याय-9: साँप से सामना

1 मौखिक-स्वयं करें। **2. लिखित:** 1. इन पत्रों को ले जाकर मक्खनपुर के डाकखाने में डाल आआ। तेजी से जाना, जिससे कि शाम की डाक से निकल जाएँ। 2. कुरते में जेब न थी, इसलिए पत्रों को लेखक ने टोपी में रख लिया। 3. लेखक ने कुएँ के किनारे से एक ढेला उठाया और एक हाथ से टोपी उतारते हुए ढेला कुए में गिराया। टोपी हाथ में लेते ही तीनों चिड्ठियाँ कुएँ में गिर गईं। 4. छोटे भाई के रोने का लेखक ने यह अर्थ लगाया कि उसकी मौत उसे नीचे बुला रही हैं। 5. लेखक के पास पाँच धोतियाँ थी। धोतियाँ एक दूसरे से बाँधी और खूब खींचकर देख लिया कि गाँठ कड़ी है या नहीं। धोती के एक सिरे पर डंडा बाँधा और उसे कुएँ में डाल दिया। दूसरे सिरे को कुएँ के ऊपर रखी मोटी लकड़ी के चारों ओर एक चक्कर देकर और एक गांठ लगाकर छोटे भाई को पकड़ दिया और धोती के सहारे उतरने लगा। 6. लेखक की अकल चकरा गई क्योकि साँप फन फैलाए धरातल से एक हाथ ऊपर उठा हुआ उसकी प्रतीक्षा कर रहा था। पूँछ के पास का भाग धरती पर था, आगे का आधा भाग ऊपर उठा हुआ उसकी प्रतीक्षा कर रहा था। 7. लेखक कुएँ में डंडा इसलिए नहीं चला सका था क्योंकि लााठी और डंडा चलाने के लिए काफी स्थान चाहिए, जिसमें वे घुमाए जा सकें। वहाँ डंडा चलाने के लिए स्थान न था। 8. ज्यों ही लेखक ने साँप की दाई ओर पड़ी हुई चिट्ठी की ओर डंडे को बढ़ाया कि साँप का फन पीछे की ओर हुआ। धीरे-धीरे डंडा चिट्ठी की ओर बढ़ा और ज्यों ही चिट्ठी के पास पहुँचा कि फुंकार के साथ काली बिजली तड़पी और डंडे पर गिरी। **बहुविकल्पीय प्रश्न: (3)** 1.(अ), 2.(अ), 3.(ब), 4. (स), 5.(अ)। **(4)** 1. टोपी, 2. मक्खनपुर, 3. डंडा, 4. कुरते, 5. पाँच। **(5)**1. ✓

2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✓।**भाषा की बातः(क)** अमृत, पराया, अविश्वास, अनिश्चित, शुरू।(ख)1. और, 2. मेरी. 3. धीरे-धीरे, 4. फन उठाए। (ग) अजगर, विषधर। पृथ्वी, भूमि। (घ) (डटे रहना) भारतीय जवान मोरचे पर अडे हैं। 2. (आघात लगाना) आशू की दुर्घटना में मौत हो जाने पर उसके माँ बाप पर बिजली गिर गई। 3. (आसान कार्य) परीक्षा में पास होना मेरे बाएँ हाथ का कार्य हैं। 4. (कुछ समझ में न आना) परीक्षा प्रश्न-पत्र देखते ही मेरी अक्ल चकरा गई। (ड) डंडे, गाँठे। कुएँ धोतियाँ। चिट्ठियाँ। **सोचने समझने की बातः** स्वयं करें। **कुछ करने की बातः** स्वयं करें।

अध्याय-11: हार की जीत

1 मौखिक-स्वयं करें। **2. लिखितः1.** माँ को अपने बेटे, साहूकार को अपने देनदार और किसान को लहलहाते खेत देखकर जो आंनद प्राप्त होता है, वही आनंद बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर प्राप्त होता था। 2. खड्गसिंह उस इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। लोग उसका नाम सुनकर काँपते थे। घोड़े सुल्तान की कीर्ति उसके कानों तक भी पहुँची। उसका हृदय घोड़े को देखने के लिए अधीर हो उठा। खड्गसिंह ने घोड़ा देखा आश्चर्य से । उसने सहस्त्रों घोड़े देखे थे, परंतु ऐसा बाँका घोड़ा उसकी आँखों से कभी न गुजरा था। सोचने लगा, भाग्य की बात है। ऐसा घोड़ा तो खड्गसिंह के पास होना चाहिए। 3. बाबा भारती सुल्तान के पास रातभर पहरा इसलिए देता था क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं डाकू खड्गसिंह घोड़ा चुराकर न ले जाए। 4. सुलतान को प्राप्त करने के लिए खड्गसिंह ने इसलिए अपाहिज बनकर बाबा भारती से सहायता की गुहार की और धोखे से सुल्तान को ले गया था। 5. रात्रि के अंधकार में खड्गसिंह बाबा भारती के मंदिर पहुँचा। चारों ओर सन्नाटा था। आकाश में तारे टिमटिमा रहे थे। थोड़ी दूर पर गाँव के कुत्ते भौंक रहे थे। मंदिर के अंदर कोई शब्द सुनाई न देता था। खड्गसिंह सुल्तान की बाग पकड़ हुए था। वह धीरे-धीरे अस्तबल के फाटक तक पहुँचा। फाटक चौपट खुला था। उसी समय बाबा भारती स्वयं लाठी लेकर पहरा देते थे, परतु आज उन्हें किसी चोरी या किसी डाके का भय न था। खड्गसिंह ने आगे बढ़कर सुल्तान को उसके स्थान पर बाँध दिया और बाहर निकलकर सावधानी से फाटक को बंद कर दिया। उस समय उसके आँखों में पश्चाताप के आँसू थे। **बहुविकल्पीय प्रश्नः (3)** 1.(स), 2.(ब), 3.(स), 4. (स), 5.(ब)। **(4)** 1. असहनीय 2. घोड़ा, 3. डाकू, 4. अस्तबल, 5. अधीर। **(5)**1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ । **भाषा की बातः** (क) कटुता, दुष्टता, मधुरता, वीरता, शत्रुता, निर्भीकता।(ख) 1. बाबा भारती ने सुल्तान के लिए अपना सब कुछ छोड़ दिया था। 2. खड्गसिंह ने बाबा भारती से घोड़ा माँगा, परतु उन्होने उसे न दिया। 3. खड्गसिंह को अपने किए पर पश्चाताप् हुआ जिस कारण वह घोड़े को

मंदिर में बाँध आया। 1. सुल्तान को देखकर डाकू ,खड्गसिंह के हृदय पर साँप लोट गया था। 2. हमें बुराईयों को देखकर मुँह नहीं मोड़ना चाहिए। 3. बाबा भारती के सुल्तान को जब खड्गसिंह ले गया तो उसका दिल टुट हया था। 4. बाबा भारती सुल्तान को वापस पाकर फूले न समा रहे थे। (ग) 1. (समरूप) भगवान के समान कोई दूसरा नहीं हैं। (वस्तु) उसके पास बहुत सारा सामान है। 2. (बराबर नहीं) सभी बच्चों की लम्बाई असमान है, (आकाश) हम सभी आसमान के नीचे रहते हैं। 3. (नमस्कार) हमें अपने से बड़ो को प्रणाम करना चाहिए। (सबूत) मयुर ने अपने निर्दोष होने का प्रमाण दिया। 4. (दिन) हम दिन में विद्यालय जाते हैं। (दुखी) वह भिखारी बहुत दीन है। (घ) जातिवाचक, समूहवाचक, वस्तुवाचक, समूहवाचक, गुणवाचक। **सोचने-समझने की बातः** 1. प्रस्तुत कहानी का शीर्षक हार की जीत' इसलिए रखा गया है, क्योंकि बाबा भारती का घोड़ा खड्गसिंह ले गया था, तो बाबा भारती हार गए थे, परन्तु जब बाबा ने उससे इस घटना को किसी से न कहने को कहा तो उसे पश्चाताप हुआ और वह घोडे को वापस आश्रम में बाँध गया था। 2. कहानी में बाबा की जीत और खड्गसिंह की हार हुई। **कुछ करने की बातः** स्वयं करे।

अध्याय-12: अधेंर नगरी

1 मौखिक-स्वयं करें। **2. लिखितः** 1. उनका कहना था ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता हो। 2. मैं तो इस नगरी को छोड़कर नहीं आऊँगा। और जगह दिनभर माँगे और जगह दिनभर माँगे तो भी पेट नहीं भरता। 3. वे मोटा आदमी पकड़कर फाँसी देना चाहते थे क्योंकि बकरी मारने के अपराध में किसी न किसी को सजा होनी जरूरी था, नही तो सच्चा न्याय न होगा। 4. गोवर्धन की जान मंहत की सूझबूझ से बची। **बहुविकल्पीय प्रश्नः (3)** 1.(स), 2. (स), 3.(ब), 4.(स), **। (4)** 1. नगरी 2. सर, 3. पश्चिम, पूर्व 4. स्वार्ग, 5. फाँसी। **(5)1.** ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ । **भाषा की बातः** (1) रतक, खाई, नीरज, (2) नपुंसकलिंग, पुंल्लिग, स्त्रीलिंग, पुंल्लिंग, नपुसंकलिंग, नपुसंकलिंग, (घ) सुन्दर भारत, राजधानी भोपाल, हिन्दू नगरी बनारस। (ड़) सुरक्षा दुर्गम, सुशील दुर्दशा, सुगय दुर्गंध, सुकन्या दुर्बल।

सोचने समझने की बातः 1. प्रस्तुत एकांकी में नगर को 'अंधेर नगरी' इसलिए कहा गया है, क्योंकि यहाँ पर सब कुछ टका से बिकता हैं। 2. स्वयं करें। **कुछ करने की बातः** (क) स्वयं करे। (ख) स्वयं करें।

अध्याय-14: कर्त्तव्यपराणयता

1 मौखिक-स्वयं करें। **2. लिखितः1.** लेखक के दुकान पर बैठ हाने पर भी जफर मियाँ ने मजदूर को पहले बाल काटने के लिए इसलिए बुलाया क्योंकि वे अपना कार्य सही तरीके से करता है। 2. बाल काटते हुए जफर मियाँ की क्रियाओं व

भाव-भंगिमाओं का लेखक ने विशेष शब्दों में वर्णन किया है। 3. लेखक मजदूर के हजामत करवाने के बाद किए जाने वाले कार्यो के विषय में यह सोच रहे थे कि यह अपना कार्य विशेष प्रकार से कर रहा है। 4. लेखक द्वारा जफर मियाँ की किसी इंजीनियर से तुलना करने के पीछे यह कारण रहा था कि वह नाप-तोल करके बाल काट रहा था। **बहुविकल्पीय प्रश्नः (3)** 1.(स), 2.(स), 3.(ब), 4.(ब), 5. (अ)। **(4)** 1. ज्ञान 2. कलेक्टर, 3. तल्लीनता 4. दिलचस्प 5. धुन। **(5)**1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ । **भाषा की बातः** (क) 1.(अ) 2. (अ), 3.(ब), 4.(अ), 5.(अ)। (ख)1. भूतकाल, 2. भविष्यत्काल, 3. भूतकाल। (ग)1.(स), 2.(स), 3. (ब)। (घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, गुणवाचक संज्ञा, गुणवाचक संज्ञा, गुणवाचक संज्ञा, गुणवाचक संज्ञा। **सोचने समझने की बातः (क) 1.** जफर जैसी तल्लीनता से कार्य के लिए व्यक्ति में मेहनत एवं ईमानदारी के भाव/विचार होने चाहिए। (ख) स्वयं करें। **कुछ करने की बातः** (क) स्वयं करें। (ख) देश को कर्तव्यपरायण नागरिकों की आवश्यकता सदैव बनी रहती है। हाँ हम इस कथन से सहमत हैं। क्योंकि कर्त्तव्य परोपण ही सफलता की कुँजी है। (ग) 1. जफर मियाँ मेहनती व्यक्ति हैं। 2. जफर मिया अपने काम के प्रति वफादार हैं। 3. जफर मियाँ कर्त्तव्य परायण व्यक्ति हैं। 4. जफर मियाँ विशेष व्यक्तित्व रखते है।

अध्याय-15: कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

1 मौखिक-स्वयं करें। **2. लिखितः1.** सफलता मेहनती लोगों को मिलती हैं। 2. व्यक्ति का उत्साह दुगुना होकर बढ़ता है, जब व्यक्ति को सफलता मिलती है। 3. चींटी का उदाहरण हमें संदेश देता है कि बार-बार असफलता से भी सफलता मिलती है। 4. मेहनती लोगों की हार नहीं होती। 5. वे आलसी हैं जो हार स्वीकार कर लेते हैं। 6. दुगुने उत्साह का यह परिणाम होता है कि कार्य सभी आराम से हो जाते हैं। 7. गोताखोर को हर डुबकी पर मोती हाथ नही लगता है। **बहुविकल्पीय प्रश्नः (3)** 1. (अ), 2.(स), 3.(अ), 4.(स), **(4)** 1. चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है मन का विश्वास रगों में साहस भरता है। 2. जा-जाकर खाली हाथ लौटकर आता है। मिलते नहीं संहज ही माती गहरे मानी में। 3. संघर्ष का मैदान छोड़ मत भागो तुम। कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती। **भाषा की बात :** (क)1. साहस के बल। 2. कोशिश करने वालों। 3. असफलता से कभी। 4. बढ़ता दुगुना उत्साह। (ख) . जल, नीर, 2. परिश्रम, श्रम 3. जलधि, समुंदर। (ग) 1. भविष्य वद्रा, 2. गोताखोर, 3. अद्वितीय, 4. चिकित्सक। (घ) । ऊँचा, वीरता। 2. कमजोर , लगातार गिरना। 3. मरना, गरीब 4. आदमी, दूसरा रूप। (ड) 1. मुठियाँ, 2. चींटिया, 3. लहरें, 4. नौकाएँ, 5. चुटकियाँ, 6. डुबकियाँ। **सोचने-समझने की बात :** (क) 1. लक्ष्य यदि कठिन है तो उसकी प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए? 2. यदि प्रयास करने

पर भी असफलता मिले तो फिर प्रयास करना चाहिए 3. असफलता को चुनौती मान लेना चाहिए 4. असफलता को चुनौती के रूप में लेने के अच्छे एवं सुखदायी परिणाम होते हैं। (ख) स्वयं करे (ग) स्वयं करे। **कुछ करने की बात :** (क) प्रस्तुत कविता हमें जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देती है। (ख) स्वयं करे

अधयाय--16: यक्ष के प्रश्न

1.मौखिक- स्वयं करें। **2. लिखित : 1.** युधिष्ठर जंगली पशुओं से भरपूर मार्ग से होते हुए सरोवर पर पहुँचे? 2. ''यह काम पक्षी का तो नहीं हो सकता। अत: मैं आपसे पूछता हूँ कि आप प्रधान देवताओं में से कौन है। फिर वही आवाज आई, 'मैं मात्र जल पक्षी नहीं हूँ, मैं यक्ष हूँ।'' 3. धर्म ही व्यक्ति की ढाल है, भीम अथवा अर्जुन नहीं। यदि धर्म छोड़ दिया जाए तो व्यक्ति का नाश हो जाएगा। कुंती और माद्री मेरे पिता की दो पत्नियाँ थीं। कुंती का एक पुत्र 'मैं' जीवित हूँ और इसलिए वह पूर्णतया शोकाकुल नहीं है। न्याय के दोनों पलड़े बराबर रह सकें, इसलिए मैं चाहता हूँ कि माद्री का पुत्र नकुल पुनर्जीवित हो जाए। 4. यक्ष वास्तव में मृत्युलोक के स्वामी यमराज थे जिन्होंने यक्ष का रूप धारण कर रखा था ताकि युधिष्ठिर से मिला जा सके और उनकी परीक्षा ली जा सके। उन्होंने युधिष्ठिर को गले लगाया और आशीर्वाद देकर अंतर्धा्यान हो गए। चारों अचेत पांडव भी फिर से चेतना में आकर उठ बैठे।5. आकृति विहिन चेतावनी भरा स्वर यक्ष का था। **बहुविकल्पीय प्रश्न: (3)** . (ब), 2. (स),3. (स),4. (स),5. (अ) 6. (ब)। **(4)**।. वायु, 2. पलक, 3. अधिकार, 4. चंद्रमा, 5. सूर्य, **(5)**1. ✓, 2. ✗, 3. ✓, 4. ✓,5.✓। (घ)1.(य), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (द)। 6. 1 युधिष्ठिर ने स्वयं से 2. आकृति विहीन ने युधिष्ठिर से 3. युधिष्ठिर ने यक्ष से 4. यक्ष ने युधिष्ठिर से 5. यक्ष ने युधिष्ठिर से। **भाषा की बात :** (क) 1. फिर वही आवाज आई, मैं मात्र जल पक्षी ही नहीं हूँ, में यक्ष हूँ। 2. जो बहुत-से मित्र बना लेता है, उसे क्या लाभ होता है? 3. स्थिरता क्या हैं? धैर्य क्या कहलाता है? स्नान किसे कहते हैं? 4. सूर्य अकेला विचरता है। चंद्रमा एक-बार जन्म लेकर पुनरू जन्म लेता है। 5. दरिद्र पुरूष मरा हुआ है, बिना राजा का राज्य मरा हुआ है। (ख) हवा, पवन समीरय पार्य, छोटा, कातेयय सूरज, पावक, आग का गोलाय पानी, नीर, वारिय चद्रंमा, चाँद, चँदा। (घ) . नपुसकंलिंग, 2. नपुसकंलिंग, 3. नपुसंकलिंग, 4. नपुसंकलिंग, 5. नपुसंकलिग, 6. नपुसकंलिग। (घ) दुर्जय-जो जीता न जा सके । अनंत जिसका कोई अन्त न हो। चेष्टा-इच्छा। वक्ष-छाती। व्याकुल-पीड़ित। दरिद्र-गरीब। (ड) व्याकुल-प्यास से व्याकुल। भारी-पत्थर से भारी। बेचैन-गर्मी से बेचैन। शक्तिशाली-अत्यन्त शक्तिशाली। (च) सुखी, मनुष्य, पाँच, पांडव, ऊँचे वृक्ष, निर्जीव, शरीर, जंगली, पशु, धर्मनिष्ठ, व्यक्ति। **सोचने समझने की बात: (क)** स्वयं करें। **कुछ करने की बात: (क)** स्वयं करें।

अध्याय-18: हीरा और कोयला

1. मौखिक उत्तर: स्वयं करें। **2. लिखित:** 1. हीरा और कोयला खान से निकलने के कारण सगे भाई बताए गए हैं। 2. मैं जहाँ रहता हूँ, सूरज की भाँति चमकता हूँ। रंग-बिरंगी किरणें मुझमें से निकलती हैं। देखने वालों की आँखे खुल जाती हैं। 3. पूरी बात तो सुन लेता। मैं राजेश्वरों को शिरोमणि हूँ देवआओं का मंजुल मुकूट सुशोभित करता हूँ। सुंदरियों का आभूषण बनता हूँ। 4.तू तो कंकड़ जैसा खान से बाहर आता है। वह तो हीरातराश तुझे यह कृत्रिम रूप देता है। यदि तू कहीं अँधेरे में पड़ा रहे तो लोगों की ठोकरें। 5. कोयला दूसरों के लिए जलता है। 6. नित्य बंदी बनकर, सौ-सौ तालों में बंद होकर, सोने की काँटेदार बेडियों में जकड़ा जाकर तू अपने को बड़ा समझ, मैं तो स्वतंत्रतापूर्वक दर-दर घूमना ही जीवन का आंनद समझता हूँ। **बहुविकल्पीय प्रश्न: (3)** 1.(स), 2.(ब), 3.(ब), 4.(अ), **(4)** 1. सहपाठी, 2. दूसरों के, 3. सूरज, 4. गरीबों, 5. बंदी। **(5)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ । **भाषा की बात:** (क) 1. आज लोग कृत्रिम वस्तुओं पर अधिक भरोसा करने लगे है। 2. भगवान उसे सद्‌बुद्‌धि दे। 3. वह तो छोटा मुँह बड़ी बात करता है। 4. आज भ्रष्टाचार उत्कर्ष पर पहुँच चुका है। (ख) 1. भूतकाल, 2. भूतकाल, 3. वर्तमान काल, 4. भविष्यत काल। (ग) 1. सकर्मक, 2. सकर्मक, 3. अकर्मक, 4. सकर्मक, । (घ) बड़ा, झूठा, दानव, असुरक्षा, अवगुण, पास, बड़ा, वास्तविक। (ड़) प्रकाशी, प्रकाशवान, प्रकाशकारी, जन्मी, जन्मवान, जन्मकारी, रूपी, रुपवान, रुपकारी, देवी, देववान देवकारी।

सोचने समझने की बात: (क) प्रस्तुत पाठ में दिए वार्तालाप कोयले का कथन सत्य के निकट है। **कुछ करने की बात:** स्वयं करें।

अध्याय-19: हबूचंद और गबूचंद

1. मौखिक उत्तर: स्वयं करें। **2. लिखित: 1.** हबूचंद नाम के एक राजा थे। उनके मंत्री का नाम था गबूचंद। 2. राजा ने धूल को विदा करने के लिए इसलिए कहा क्योंकि धूल राजा के पैरों में लग जाती थी। 3. पडितों का दल इस नतीजे पर पहुँचा कि किसी चर्मकार को बुलाकर धरती को चमडे से जडवा दीजिए। 4. अंत में प्रजा ने धूल को हटाने का अंतिम उपाय हाथ लिया। देशभर के बाजारों से साढ़े सत्रह लाख झाड़ू खरीदे गए। झाड़ूओं की झाड़ फटकार से उड़ी धूल राजा के मुख और छाती पर बैठने लगी। धूल के मारे कोई आँख नहीं खोल पाता था। धूल के मेघों ने सूरज के प्रकाश को भी मंद कर दिया। राजा ने होठ चबाते हुए कहा- धूल हटाने के बदले तुम सब मूर्खों ने संसार को और भी धूल से भर दिया है। 5. तब इक्कीस लाख भिश्तियों की टोलियाँ कंधों पर मशक लटकाए पानी लाने के लिए दौड़ पडी। ताल-तलैयों में कीचड़ ही कीचड़ रह गया। जल के जीव जल के बिना करने लगे और थल के प्राणी पानी की बाढ़ में डूबने लगे। हाट बाजार के लेन देन पर पानी फिर गया। सब और ठंडक हो जाने से सर्दी-बुखार के कारण लोग मरने लगे। राजा ने गरजकर कहा-तुम सब नालायक हो । धूल से बचने के लिए तुमने राज्य में कीचड़-ही-कीचड़ कर दिया।

बहुविकल्पीय प्रश्नः (3) 1.(अ), 2.(अ), 3.(स), 4.(ब)। **(4)**1. चमकार 2. भावुकता, 3. घबराया, 4. सत्यवादी, 5. पाएँगे। **(5)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ । **भाषा की बातः (क)** बचपना, सफलता, निकटतम, दूरी ; नौकरानी, प्यासाकुल गर्मी पंडिताई। (ख) नपुंसकलिंग, नपुंसकलिंग, नपुंसकलिंग, नपुंसकलिंग, नपुंसकलिंग। (ग) सड़कें, कहानियाँ; जूते, राजधानियाँ; टोलियाँ, चटाइयाँ। (घ) भारत-भारत सुंदर देश है। इलाहाबाद-इलाहाबाद में संगम है। भोपाल-भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी है। जापान-जापान द्वीपों का समूह है। बनारस-बनारस मंदिर का शहर है। चीन-चीन बड़ा देश है। (ङ) चालाक, व्यक्ति; डरपोक, आदमी; छोटी बात; बड़े, वायदे;मुर्ख, राजा; बुद्धिमान, लोग; गुणी, बालक। गहरी, चाल; विशेष बात। **सोचने समझने की बातः** 1. किसी शासक की मूर्खता का देश पर बुरा प्रभाव पड़ता है। 2. देश को उन्नति की ओर अग्रसर करने हेतु राजा के चरित्र में विवेक, बुद्धि एवं ज्ञान आदि बातें निहित होनी चाहिए। **कुछ करने की बातः**(क) स्वयं करें। (ख) स्वयं करें।

अध्याय-20: दोहावली

1. मौखिक उत्तरः स्वयं करें। **2. लिखितः 1.** सज्जनों को जीवन परोपकार हेतु होना बताया गया है। 2. मुनष्य को मीठी वाणी बोलनी चाहिए। 3. मृग द्वारा कस्तूरी ढूँढने का उदाहरण देकर कबीर कि अपने हृदय के अंदर भगवान देखिए कहना चाहते हैं। 4. मनुष्य द्वारा ईश्वर को स्मरण करने के विषण में कबीर ने कहा है। कि ईश्वर प्राप्ति के लिए गुप्त रास्ता बताते है। 5. सज्जनों के जीवन का उद्देश्य परोपकार करना होता है। 6. हमें किसी भी काम को टालना नहीं चाहिए क्योंकि दूसरे ही पल क्या हो जाए हमें नहीं पता 1. कबीरदास जी कहते है कि कभी किसी कमजोर एवं असहाय व्यक्ति को मत सताइए। क्योंकि उनकी हाय बहुत बुरी लगती है। 2. कबीर दास कहते है कि जो भी आपके पास है उसमें संतुष्ट रहना चाहिए, दूसरों को देखकर उनके जैसे बनने की लालसा नहीं रखनी चाहिए **बहुविकल्पीय प्रश्नः (3)** 1. (स), 2.(स), 3.(अ), 4.(स)। **भाषा की बातः (क)** दुखी, सुखी, गुणी, झूठी, लोभी, छायादार। (ख) बड़ा, बर्तन, शीतल जल। (ग) जीव, वाणी, संचय करना, सृष्टि की समाप्ति, पथिक, कल, सच,हृदय। (घ) ,नपुसंकलिंग,, नपुसंकलिंग, नपुसंकलिंग, नपुसंकलिंग,। **सोचने समझने की बातः** स्वयं करें **कुछ करने की बात** स्वयं करें।

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com